ज़ाइक्लोन बी

[स्रोत: द हिंदू](#)

3 सितंबर, 1941 को नाज़ियों ने पोलैंड के ऑशवित्ज़ यातना शिविर में यहूदियों को मारने के लिये पहली बार ज़ाइक्लोन बी का प्रयोग किया।

- ऑशवित्ज़ **नाज़ी जर्मनी** का एक यातना शिविर था जिसमें लगभग दस लाख यहूदियों की व्यवस्थित तरीके से हत्या की गई थी।
  - यहूदियों को **भूखा रखा गया,** उनसे तब तक कार्य करवाया गया जब तक उनकी मृत्यु नहीं हो गई और ज़ाइक्लोन बी जैसी ज़हरीली गैसों का प्रयोग करके **गैस चैंबर के परिसर में मार** दिया गया।

ज़ाइक्लोन बी का परिचय :

- ज़ाइक्लोन बी **हाइड्रोजन साइनाइड (HCN)** का व्यावसायिक नाम है।
- इसे जर्मनी में वर्ष 1920 के दशक की शुरुआत में **कीटनाशक और कृंतकनाशक** के रूप में विकसित किया गया था।
- इसे **नीले रंग के छर्रों** के रूप में उत्पादित किया गया था, जो वायु के संपर्क में आने पर बेहद ज़हरीली गैस में बदल जाते थे।
- इस वातावरण में साँस लेने से **लाल रक्त कोशिकाओं** में ऑक्सीजन का आदान-प्रदान अवरुद्ध हुआ और **कोशिकीय श्वसन बाधित हो गया जिससे** पीड़ितों के आंतरिक दम घुटने की स्थिति उत्पन्न हो गई।
- ज़ाइक्लोन बी द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कुख्यात हो गया था। वर्ष 1916 में फ्राँस और वर्ष 1918 में इटली एवं **संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी प्रथम विश्व युद्ध** के दौरान इसका प्रयोग किया था।

और पढ़ें: **होलोकॉस्ट और द्वितीय विश्व युद्ध**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/zyklon-b